

There is no proposal at present before the Government of India to prescribe zonal crop patterns on the basis of climatic conditions. Cropping patterns are influenced not only by climatic conditions but by a number of other factors notably soil, irrigation facilities, the economic conditions of the region, the consumption patterns etc. However, advice is given to farmers to bring about beneficial changes in cropping patterns through the introduction of high yielding varieties of crops, emphasis on multiple cropping, cultivation of pulses, legumes and fodders etc. The objective is to raise the productivity and incomes of the farmers on the basis of higher output and integrated development of agriculture and allied occupations.

#### Water Works Laboratory at Wazirabad

2014. SHRI K. MALLANNA: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention is drawn to a news item in 'Indian Express' dated 6th July, 1978 that highly sophisticated water testing machine, brought in February last, costing 66,000 rupees is lying idle at the Water Works Laboratory, Wazirabad, as no one knows how to use it;

(b) whether a battle is on between the testing staff and the director of the laboratory on how to use the machine; and

(c) if so, the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. The machine is being used as and when required.

(c) Does not arise.

#### पब्लिक स्कूलों को दी गई वित्तीय सहायता

2015. श्री क्या राम शास्त्र : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताते की कृपा करें कि :

(क) दिल्ली में कितने पब्लिक स्कूल बलाये जा रहे हैं और उन्हें दिल्ली प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष कितनी वित्तीय सहायता दी गई है ;

(ख) क्या ये सभी पब्लिक स्कूल छात्रों से समान शुल्क वसूल कर रहे हैं, यदि नहीं तो क्या सरकार का विचार इन स्कूलों में प्रत्येक कक्षा के लिये समान शुल्क निर्धारित करने का है ; और

(ग) दिल्ली प्रशासन द्वारा इन पब्लिक स्कूलों को अपने नियंत्रण में लेने का निर्णय कब कार्यान्वित किया जायेगा ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती रेणुका देवी बरकटकी) : (क) पब्लिक स्कूल प्रायः वे स्कूल हैं जो भारतीय पब्लिक स्कूल सम्मेलन के सदस्य हैं। दिल्ली के संघ शासित क्षेत्र में ऐसे चार स्कूल हैं। दिल्ली प्रशासन द्वारा इन स्कूलों को कोई वित्तीय सहायता नहीं दी जाती।

(ख) पब्लिक स्कूलों द्वारा ली जाने वाली फीस प्रत्येक स्कूल में भिन्न भिन्न है। दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम 1973 की धारा 16(3) के अंतर्गत चार पब्लिक स्कूलों सहित, प्रत्येक मान्यता प्राप्त स्कूल का प्रबन्धक प्रत्येक शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले प्रागामी शैक्षणिक सत्र में ली जाने वाली फीस का एक पूर्ण विवरण शिक्षा निदेशक दिल्ली को प्रस्तुत करता है और निदेशक की पूर्ण स्वीकृति के बिना कोई भी ऐसा स्कूल उक्त शैक्षणिक सत्र के दौरान उक्त वितरण में इस के प्रबन्धक द्वारा उल्लिखित फीस से अधिक फीस नहीं ले सकता। इस धारा के अंतर्गत प्रशासन को इन स्कूलों की फीस नियमित करने का अधिकार नहीं है। फिलहाल इन स्कूलों की प्रत्येक कक्षा के लिए एक समान फीस निर्धारित करने का कोई प्रस्ताव दिल्ली प्रशासन के विचाराधीन नहीं है।

(ग) इस संबंध में कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

#### Supply of Jute and Paddy Seeds in Assam

2016. SHRI ISMAIL HOSSAIN KHAN: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) quantity of Jute seeds and "Ashu" Paddy seeds supplied to the agriculturists in Assam through the Seed Corporation in the current year;

(b) whether there was any complaint against Seed Corporation regarding supply of bad seeds in Assam; and

(c) if so, steps taken?

THE MINISTER THE  
MINISTRY OF AGRICULTURE AND  
IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP  
SINGH): (a) The National Seeds Corporation distributed 794.15 qtls. of certified jute seeds and 1817 quintals of certified paddy seeds to the agriculturists in Assam through their own dealers and the Government of Assam during the current Kharif season.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

**Nutrition Programme for the Poor**

2017. SHRI G. Y. KRISHNAN:

SHRI JANARDHANA  
POOJARY:

Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that much of the nutrition programme proposed by the Union Government for the benefit of poor have been found benefiting the rich;

(b) whether it is also a fact that most of the schemes are yet to start or have remained at the half-way stages because of financial constraints or half-hearted implementation by the agencies involved like the Modern Bakeries, the Food Corporation of India and the Food, and Nutrition Board; and

(c) if so, the steps Government have proposed in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE  
MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL  
WELFARE AND CULTURE (SHRI-  
MATI RENUKA DEVI BARAKA-  
TAKI): (a) No Sir. The supplement-  
ary programmes as well programme

relating to provision of prophylaxis for vitamin 'A' deficiency are for mal-nourished and anaemic children and the target groups mainly include the children of slum areas, tribal areas and areas inhabited by Scheduled Castes and other backward classes.

(b) It is not correct to say that schemes relating to processing of food have not progressed because of half hearted implementation and other constraints. Through the Food Corporation of India, the Food and Nutrition Board has been able to achieve a production level of 40,000 (forty thousand) tonnes of Balahar, a low cost nutritious food, used for supplementary feeding of children of vulnerable groups. Similarly, the Modern Bakeries have achieved a production level of 14.43 lakhs loaves of 400 grams each fortified with various nutrients.

(c) The Government is continuously reviewing the implementation of various programmes concerned with nutrition to improve the efficacy of the programmes.

केन्द्र द्वारा प्राविवासी क्षेत्रों में कृषि उपकरण  
उपलब्ध करना

2018. श्री श्यामलाल घुबे : क्या कृषि  
श्रीर सिन्हाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कृषि को प्रोत्साहन देने के लिये प्रादि-  
वासी क्षेत्रों में नवीनतम कृषि उपकरण उपलब्ध  
करने हेतु केन्द्र स्थापित करने की कोई योजना है; और

(ख) यदि हाँ, तो उक्त केन्द्रों की स्थापना में  
विलम्ब के क्या कारण हैं ?

कृषि श्रीर सिन्हाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री  
भाग्य प्रताप सिंह) : (क) विधेवरूप में प्रादिवासी  
क्षेत्रों में कृषि उपकरण मुहैया करने के लिए केन्द्रों  
की स्थापना हेतु कोई केन्द्रीय योजना नहीं है ।  
तथापि, भारत प्रादिवासी विकास एजेंसी परियोजनाओं  
श्रीर कुछ अन्य केन्द्रीय योजनाओं के तहत बुने हुए  
प्रादिवासी क्षेत्रों में कृषि उपकरण सप्लाई करने की  
व्यवस्था है ।

(ख) भाग (क) के उत्तर की दृष्टि में प्रश्न  
ही नहीं होता ।